



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 267]
No. 267]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 30, 1979/आषाढ़ 9, 1901
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 30, 1979/ASADHA 9, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आदेश

नई दिल्ली, 30 जून, 1979

कागज नियंत्रण आदेश, 1979

का० प्रा० 376.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि लिखने और छपाई के लिए कुछ किस्मों के कागज का, जो एक आवश्यक वस्तु है, प्रवाह बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने के लिए तथा साम्यापूर्ण वितरण और उचित मूल्यों पर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न-लिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस आदेश का नाम कागज (नियंत्रण) आदेश, 1979 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं :—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “नियंत्रक” से, केन्द्रीय सरकार का ऐसा कोई अधिकारी अभिप्रेत है जिसे केन्द्रीय सरकार ने राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस रूप में नियुक्त किया है;

(ख) “क्रीमलेड या बोव कागज” से छपाई के लिए प्रयुक्त सामान्य सफेद या दूधिया कागज अभिप्रेत है, जिसमें लेड या बोव के निशान हों, और जिसकी सतह लिखने के लिए चिकनी हो तथा जो भारतीय मानक संस्थान द्वारा समय-समय पर क्रीम लेड या बोव कागज के लिए अधिसूचित विनिर्देशों के अनुरूप है;

(ग) “विनिर्माता” से कागज अथवा कागज का गत्ता या दोनों का विनिर्माता अभिप्रेत है और जो तकनीकी विकास महाविद्यालय, भारत सरकार के यहां इस रूप में रजिस्ट्रीकृत है;

(घ) “छपाई का सफेद कागज” से छपाई के लिए सामान्य प्रकार का सफेद कागज अभिप्रेत है जिसकी बनावट एक सी है और जो एकसार है तथा सामान्यतया धब्बों, छिद्रों या अन्य बोधों से रहित है और छपाई के लिए उपयुक्त है तथा जो भारतीय मानक संस्थान द्वारा समय-समय पर छपाई के सफेद कागज के लिए अधिसूचित विनिर्देशों के अनुरूप है।

3. स्टॉक के निपटान के लिए निर्देश देने की शक्ति :—केन्द्रीय सरकार, छपाई के सफेद कागज और क्रीम लेड या बोव कागज का उचित वितरण करने की दृष्टि से, किसी विनिर्माता को छपाई के सफेद कागज और क्रीम लेड या बोव कागज के उसके भण्डार का निपटान करने के लिए, ऐसे आदेश, साधारण अथवा विशेष, जो आवश्यक हो, जारी कर सकेगी।

4. विक्रय के लिए निदेश देने की शक्ति:—केन्द्रीय सरकार, आदेश द्वारा, किसी भी विनिर्माता से किसी व्यक्ति या व्यक्तिवर्ग को, ऐसे निबन्धनों और शर्तों पर, जो आदेश में विनिर्दिष्ट की जाएं, छपाई का सफेद कागज और क्रोम लेड या बोव कागज विक्रय करने की अपेक्षा कर सकेगी

5. निष्ठाओं आदि का रखा जाना या पेश किया जाना :—

(1) प्रत्येक विनिर्माता, छपाई के उफेद कागज और क्रोम लेड या बोव कागज के उत्पादन और विक्रय से संबंधित ऐसी बहियाँ, लेखे और अभिलेख रखेगा, जैसे केन्द्रीय सरकार अपेक्षा करे।

(2) प्रत्येक विनिर्माता और छपाई के सफेद कागज और क्रोम लेड या बोव कागज के उत्पादन और विक्रय के संबंध में उसके द्वारा नियोजित व्यक्ति, केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा की जाने पर और ऐसी अपेक्षा के भीतर जो इस निमित्त अनुमान की जाए:—

(क) ऐसी बहियाँ, लेखे, अभिलेख या अन्य वस्तुओं निरीक्षण के लिए पेश करेगा और उपलब्ध करेगा, तथा

(ख) कारबार से संबंधित ऐसी विवरणियाँ और अन्य सूचना देगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं।

6. धारण मूल्य:—छपाई के लिए सफेद कागज और क्रोम लेड या बोव कागज के लिए विनिर्माता को प्रति मीटरी टन अनुमोदित कारखाना द्वारा कीमत क्रमशः 3,000 रु० और 3785 रु० होगी तथा कोई भी विनिर्माता ऐसी किसी किसम के कागज को इस कीमत से अधिक कीमत पर नहीं विक्रय करेगा।

7. शक्तियों का प्रत्यायोजन इस आदेश के अर्धन केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग नियंत्रक भी कर सकेगा।

[सं० 12(3)/79-कागज]

बी० आर० आर० अयंगर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 30th June, 1979

PAPER CONTROL ORDER, 1979

S.O. 376(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for maintaining and increasing supplies and for securing the equitable distribution and availability at fair prices, of certain varieties of writing and printing paper, an essential commodity;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the Paper (Control) Order, 1979.

(2) It shall come into force at once.

2. Definition.—In this Order, unless the context otherwise requires,—

(a) "Controller" means any officer of the Central Government duly appointed as such by the Central Government by notification in the Official Gazette ;

(b) "cream laid or wove paper" means ordinary white or creamy writing paper, containing laid or wove marks, and having a smooth surface for writing and conforming to the specifications for cream laid or wove paper notified by the Indian Standards Institution from time to time ;

(c) "manufacturer" means a manufacturer of paper or paper boards or both, and registered as such with the Director General of Technical Development, Government of India ;

(d) "white printing paper" means the common type of white printing paper of uniform formation, evenly finished and generally free from specks, holes or other blemishes, and suitable for printing and conforming to the specifications for white printing paper notified by the Indian Standards Institution from time to time.

3. Power to direct disposal of stock.—The Central Government may, with a view to securing proper distribution of white printing paper and cream laid or wove paper, issue such orders, general or special, as may be necessary, to any manufacturer as to the disposal of his stock of white printing paper and cream laid or wove paper.

4. Power to direct sale.—The Central Government may, by order, require any manufacturer to sell white printing paper and cream laid or wove paper or any of such varieties of paper to such person or class of persons, and on such terms and conditions, as may be specified in the Order.

5. Maintenance and production of accounts, etc.—(1) Every manufacturer shall keep such books, accounts and records, relating to the production, and sale of white printing paper and cream laid or wove paper as the Central Government may require.

(2) Every manufacturer and person employed by him in connection with the production and sale of white printing paper and cream laid or wove paper shall, on being required so to do by the Central Government and within such period as may be allowed in this behalf—

(a) produce and make available for inspection of such books, accounts records or other documents, and

(b) furnish such returns and other information relating to the business as may be specified by the Central Government.

6. Retention prices.—The ex-factory prices admissible to the manufacturer for white printing paper and cream laid or wove paper shall be Rs. 3000 and Rs. 3785 per metric tonne respectively, and no manufacturer shall sell any of such varieties of paper at a price exceeding such price.

7. Delegation.—All powers exercisable by the Central Government under this Order shall be exercisable also by the Controller.

[No. 12(3)/79-Paper]

B. R. R. IYENGAR, Jt. Secy.